



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

## समाचार पत्र का नाम पांच बजे न्यूज़

दिनांक पृष्ठ संख्या  
29.07.2021 --

--

कीटों के उचित प्रबंधन के साथ पर्यावरण हितेशी अनुसंधान पर हो अधिक फोकस

बदलते जलवायु परिप्रेक्ष्य में फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती : प्रो. काम्बोज

प्राप्ति व्युत्पन्न



परिवर्त हो रहा है। इसमें न केवल पर्यावरण  
पर लगाव पड़ रहे हैं बल्कि प्रजाहीन पर भी  
विपरीत असाध पड़ रहा है। और विदेश की  
अतिरिक्त सुनी उठानी पड़ती है। उन-

प्रैक्टिसों को इन सब प्रारूपों को अलग-  
अलग असे-सीधे बदल कर उन्हें बताना चाहिए।

३० अप्रैल २०१८



चौधारी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार  
लोक संपर्क कार्यालय

## समाचार पत्र का नाम

सिटी पल्स

दिनांक

28.07.2021

## पृष्ठ संख्या

- 1 -

कॉलम

10

**फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण  
वैज्ञानिकों के लिए चुनौती : प्रो. बीआर काम्बोज**

कीटों के उचित प्रबंधन के साथ पर्यावरण हितोषी अनुसंधान पर हो अधिक फोकस

सिंही पत्रक न्यूज़, हिमाचल  
विद्युतिकोडी को लाइसेन्स दाता वाली  
कोटि संस्करणों को पत्रक में बहाता  
है अन्यतरात् कार्य करने वाली।  
पत्रक ही ऐसी जागरूकताएँ को दर्शात्  
कि वो अब दिव्य जगत् विद्या वै  
विद्याएँ को देखाता है वो को एक  
मुख्य को दर्शाता है जिसका नाम दिव्य  
भी संक्षिप्त है। ऐसियाँ वैदिकी  
वाराण और लौहित युग  
विद्युतिकोडी के कानूनी दोषोंमें  
वो अब बदलाव ने कही। वे कृषि  
विद्युतिकोडी के कठोर विधान विधान  
में वारिंग वालीकोडी वारिंग में  
विद्युतिकोडी से अधिकारित वारिंग में  
वारिंग को दूर करने वाली विधान के दिव्य  
दिव्य-विद्याएँ हैं ये उन्हीं विद्याएँ



ਕੁਝ ਸਮਾਂ ਵਿੱਚ ਇਸ ਦੀ ਅਨੁਸਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਣਾ ਮੁਸ਼ਕਲੀ ਹੈ।

कि वासियों में बदलते जलवाया वर्षा-जल में कालीन पर बोटी और नई प्रवालियों पर अवधारणा वैद्युतिकों के द्वारा बदलती है। विभिन्न जलवाया के अध्ययन में विभिन्न वासियों के बदलते में अवधारणा वैद्युतिकों व सम्बन्धी का विभिन्न विश्लेषण करते हैं जो बहुत ही उत्तम रूप से किया जाता है।

समस्या-आमता पर विभागों के लिए जारी रखी जाता

ભાષણ અધ્યક્ષ એવા કોઈ નથી જે પદ જે વાત જે વાત જે વાત જે વાત  
જે વાત જે વાત એવી એવી એવી એવી એવી એવી એવી એવી એવી એવી

स्वतंत्र हो सकते हैं इसलिए न केवल पर्यावरण पर धुक्कापूर्ण पड़ जाते हैं बल्कि व्यक्ति पर भी निपटनी आवश्यक होती है और इसलिए वो अपेक्षित हैं कि व्यक्ति व्यवहारी व्यक्ति हो जायें। इसलिए व्यक्तिगती को इन सब परामर्शों से व्यवहार में लावना आवश्यक होता है जो उन्हें व्यक्ति बनाना चाहिए।



**चौथारी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार**  
**लोक संपर्क कार्यालय**

**समाचार पत्र का नाम** **दिनांक** **पृष्ठ संख्या** **कॉलम**  
**ज्योति दप्तर** **28.07.2021** **--** **--**

चरण सिंह विश्व विद्यालय, हिसार बदलते जलवायु परिप्रेक्ष्य में  
फसलों पर कीटों की वई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के  
लिए चूबौती-प्रोफेसर दी.आर. काम्बोज



1

प्रधान-मंत्री के विषय विवरण

कल्पने वाला ही दैवतिनी की शृङ्खला जीवित है।

#### **REFERENCES AND NOTES**

तथा अपनी वास्तविक प्रकृति के लिए जारी रखते हुए।

जैसा कि विद्युत के अन्तर्गत अन्यान्य विद्युत विकास की विधि विद्युत विकास की विधि



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कवि विश्वविद्यालय, फिसार  
लोक संपर्क कार्यालय**

## **समाचार पत्र का नाम नम छोर**

## दिनांक पृष्ठ संख्या

कॉलम

28.07.2021

वैज्ञानिक कीट समस्याओं को ध्यान में  
रखकर ही करें अनुसंधानः कुलपति

#### REFERENCES

प्रकाशनी पर भी लिखी है कि यह एक है और विकल्प को अवश्यकता नहीं उत्पन्न करती है। इसीलिए विकल्पों को दूष वाले प्रदूषकों को बढ़ाव में रखना जल्दी सोच जाते ही उन्होंने बढ़ाव घटाया। उक्तोंने कहा कि विकल्पों भी दूष वाले जैव विकल्प में उक्तों द्वारा उपलब्ध कराये गए विकल्पों को जास्तीकरण करने और विकल्पिक विकल्पों को अनुप्रयोग प्रकाशनी पर लोडिंगकर्मी ने अन्य विकल्पों के उल्लंघन के लिए जापानी मुद्रित वाचाया। इसके लिए यमन-यमन पर विकल्प बढ़ाव भी जल्दी भी जल्दी घटाया। माल ही अपने सोच जाती ही इस विकल्प में उक्तों बढ़ाया। कि विकल्पों की जांचों भी जापान में विकल्प नियम के लिए विकल्पकरण पर भी उपलब्ध भी है। योंकर्म विकल्पकरण के बारे में विकल्पों द्वारा विकल्पकरण में विकल्प में दिया जाने वाले विकल्पों द्वारा विकल्पों का विकल्पीकरण में उपलब्ध जाने वाले विकल्पों विकल्पकरण में विकल्पकरण का विकल्प अनुप्रयोग विकल्प जाना घटाया। अपरि विकल्प के दूष



हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार  
लोक संपर्क कार्यालय

## समाचार पत्र का नाम

पल पल न्यूज

दिनांक पृष्ठ संख्या

कॉलम

28.07.2021

## फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती : प्रो. काम्बोज

वाल वाल वाल, विदा, २५  
वाल्पुरी, विदावाली के वाल्पुरी  
वाल के वाली वालावाली के  
वाल के वालावाली के वाल्पुरी  
वाली वाली वाली, वाल के वाली  
वालावाली के वाली वाली, वाल के वाली  
वाली वाली के वाली वाली, वाल के वाली



प्राणी विद्युति के तरीके  
जैसे ही वह से जुड़ा  
होने वाली ही वह विद्युति  
होती है जो उसे विद्युति  
के तरीके से जुड़ा होना चाहिए।



**चौधरी चरण सिंह ठरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, डिसार  
लोक संपर्क कार्यालय**

## **समाचार पत्र का नाम**

दिनांक पृष्ठ संख्या

ਕੌਲਸ

पाठ्यक्रम

28.07.2021 —

10

बदलते जलवायु परिप्रेक्ष्य में फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आकरण वैज्ञानिकों के लिए चर्चाती-प्रो. श्री भार कास्टोड

Digitized by srujanika@gmail.com



विवरणात्मक या अन्य लोगों की  
प्रतिक्रिया के विवरणों की  
विवरणात्मक दृष्टि विवरण की जैसी  
जैसी एक विवरणीय व्याख्यानों के  
पास में व्याप्त हो सकता व्याप्त व्याप्त  
लोग विवरणात्मक विवरण व्याप्त हो  
पाते हैं। अन्यथा विवरण यह  
हो सकता है कि एक व्याप्ति की व्याप्ति  
विवरण विवरण के विवरणात्मक हो  
पाते हैं तभी वे विवरण यह के  
व्याप्ति विवरण विवरण की व्याप्ति विवरण  
व्याप्ति की व्याप्ति विवरण की व्याप्ति विवरण  
व्याप्ति की व्याप्ति विवरण की व्याप्ति विवरण



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार  
लोक संपर्क कार्यालय**

## **समाचार पत्र का नाम**

दिनांक पृष्ठ संख्या  
28.07.2021 -

कौलम

**फसलों पर कीटों दी जई प्रज्ञातियों का आनंदना हैङ्गानिकों  
के लिए बुलौतीः प्रो. कांबोज**

जीवन की यही वाहि है,  
जीवन जीतने को हम यह  
वाहि की वाहि है जीवन  
की यही वाहि है जीवन  
वाहि जीवन की यही वाहि है  
जीवन जीवन की यही वाहि है  
जीवन जीवन की यही वाहि है

तेव तक और उसके द्वारा यह अवधि अपनी अवधि का अवधि बनाने के लिए उपयोग करता है। इस अवधि का अवधि अपनी अवधि का अवधि बनाने के लिए उपयोग करता है। इस अवधि का अवधि अपनी अवधि का अवधि बनाने के लिए उपयोग करता है। इस अवधि का अवधि अपनी अवधि का अवधि बनाने के लिए उपयोग करता है।



## चौधारी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एच आर डेकिंग	29.07.2021	--	--

### बदलते जलवायु परिप्रेक्ष्य में फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती : बी.आर. काम्बोज

एचआर डेकिंग न्यूज़

हिसार। वैज्ञानिकों को बर्तमान समय की कीट समस्याओं को ध्यान में रखकर ही अनुसंधान कार्य करने चाहिए। साथ ही ऐसे प्रबंधन उपायों की खोज पर भी बल दिया जाना चाहिए जो कीटों की नोकराय भी करें ताकि यन्त्र ये के स्वास्थ्य व व्यावायिक के लिए भी सुरक्षित हों। ये विचार औपरी चरण सिंह हरियाण कृषि विभाग द्वारा ला ला य विभाग के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे।

ये कृषि महाविद्यालय के कोटि विभाग के वार्षिक उक्तनीकी कार्यक्रम में वैज्ञानिकों से ऑनलाइन माध्यम से रुचर होते हुए उन्हें भविष्यव के लिए दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि बर्तमान में बदलते जलवायु परिषेक्ष्य में फसलों पर कीटों की नई



फोटो 9 वैज्ञानिकों से ऑनलाइन माध्यम से रुचर होते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज।

प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती है।

किसान जागरूकता के अभाव में विना वैज्ञानिक सलाह के फसलों में अधिकृत कौटुंबियों व रसायनों का प्रबंधन छिड़काय कर रहे हैं जो बहुत ही नुकसानदायक साधित हो रहा है।

इससे न केवल पर्यावरण पर दुष्प्रभाव पड़ रहे हैं बल्कि फसलों पर भी विपरीत असर पड़ रहा है और किसान की आर्थिक शति उठानी पड़ती है। इसलिए वैज्ञानिकों को इन सब पहलुओं को ध्यान में रखकर अपने शोध कार्य को आगे बढ़ाना चाहिए।

समय-समय पर किसानों के लिए जली की जाए सलाह : उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों ने जली वैज्ञानिकों को जल में रखते हुए जलाता से जलाता किसान समूह बनाकर किसानों को जलाता करें और वैज्ञानिक सलाह अनुसार फसलों पर कौटुंबियों व अन्य सलाहनों के प्रयोग के लिए जलकरी मशीहा करवाए। इसके लिए समय-समय पर किसान सलाह भी जलों की जली चाहिए। साथ ही अपने सांप कानों को इस प्रकार से उत्तर दिया जिसके बाद जलकरी की समस्या से बचता रह सके और पर्यावरण पर भी उल्लंघन करें दुष्प्रभाव न हो। प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विज्ञान के उपरांत अनुसार अनुसार किसान जली चाहिए। यूंही विज्ञान के उपरांत अनुसार के उपरांत विश्वविद्यालय का आगामी सत्र है।

इसलिए वे किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विज्ञान की जली उन्नत किसानों व उक्तनीकों के बारे में जलाता से जलाता अवगत कराएं ताकि अधिकृत किसान जलाता से नहीं। वैज्ञानिक किसानों को अनुसारी प्रबंधन के प्रीति जलाता करें और उन्हें समूहकर्त्ता जलान द्वारा फसलों की पैदावार में होने वाली धूमि से अवगत कराएं। साथ ही विज्ञान द्वारा किसानों और सहायता के लिए जलकरी उक्तनीकी विशेषज्ञ उपलब्ध करवाएं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार  
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

अटल हिंद

29.07.2021

--

--

## मशरूम तकनीक पर व्यावसायिक वर्चुअल प्रशिक्षण 2 अगस्त से

अटल हिंद संवाददाता/हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान की ओर से मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय वर्चुअल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 2 अगस्त से शुरू होगा। यह जानकारी देते हुए संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रदेश के बेरोजगार युवक-युवतियों को पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। तीनों दिन प्रशिक्षण में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों को ई-सर्टिफीकेट दिए जाएंगे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भारत देश हमारा	29.07.2021	--	--

Thursday 29 July , 2021

हरियाणा

( 5 ) दैनिक भारत देश हमारा करनाल बीरबार 29 जुलाई , 2021

## एचएप्यू किसानों के लिए सदैव तत्पर, ज्यादा से ज्यादा उगाएं लाभ : प्रो. काम्बोज

हिसार, 28 जुलाई ( भनमोहन शर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. वी.आर.काम्बोज ने कहा कि किसानों के लिए विश्वविद्यालय हर समय तत्पर व प्रयत्नसरत है। किसानों को ज्यादा से ज्यादा विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर इसका लाभ उठाना चाहिए। वे एचएप्यू के अनुसंधान निदेशालय, आनुवांशिकी एवं पौधा प्रजनन विभाग के कपास अनुभाग, कृषि तत्वावधान में आयोजित एक कि भविष्य में विश्वविद्यालय का विज्ञान केंद्र व कृषि एवं किसान किसान गोष्ठी के दौरान संबोधित करते हुए व पौधे वितरित करते हुए।



की फसलों संबंधी हर समस्या के राजबीर सिंह ने की। कुलपति समय-समय पर इसके लिए समाधान के लिए उनके द्वारा जाकर प्रोफेसर वी.आर. काम्बोज ने कहा प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा समाधान करें। विश्वविद्यालय के कि गुन्य सरकार कृषि एवं किसान रहे हैं और कृषि विभाग के साथ कृषि विज्ञान केंद्र किसानों को कल्याण भवनी जय प्रकाश दलाल मिलकर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक विश्वविद्यालय से सीधा जुड़ने का विश्वविद्यालय के साथ मिलकर किसानों को कपास की विभाग अवसर प्रदान करते हैं। इनके लगातार किसानों की समस्या को समस्याओं के प्रति जागरूक कर माध्यम से किसानों को लेकर लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। रहे हैं ताकि विपरित परिस्थितियों में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किसानों इसलिए गत वर्ष की भाँति किसानों भी कपास का अच्छा उत्पादन नई तकनीकों व कृषि आधारित अन्य को कपास की फसल में खारिगिया जा हासिल किया जा सके। इस दौरान जानकारी मिल रही है। किसान गोष्ठी न भूगतन पढ़े इसलिए विश्वविद्यालय उन्होंने शेत्र में कपास की खड़ी का मूल्य विषय 'कपास के उत्पादन ने इस द्वाता का संज्ञान लेते हुए फहले फसल का जायजा लिया और व व चाचा व की उग्रत तकनीक' रखा ही वैज्ञानिकों की टीम गठित कर दी वैज्ञानिकों को किसानों की हर गया था। कार्यक्रम की अव्यक्तता थी जो लगातार संबोधित क्षेत्रों के समस्या का समाधान उनके द्वारा पर विश्वविद्यालय के कूलमचिव डा. किसानों को जागरूक कर रही है। आकर करने को कहा।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
रोजाना चढ़दीकला करनाल	29.07.2021	--	--

ਰੋਜ਼ਾਨਾ ਚੜ੍ਹਦੀਕਲਾ, ਕਰਨਾਲ (ਵੀਰਵਾਰ 29 ਜੁਲਾਈ, 2021)

3

**ਐਚਈਯੂ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੇ ਲਈ ਹਮੇਸ਼ਾ ਤਤਪਰ,  
ਜ਼ਿਆਦਾ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਉਠਾਓ ਲਾਭ : ਪੋ. ਕੰਬੋਜ**



A photograph showing a group of four people, three men and one woman, all wearing white surgical masks. They are gathered around a small, decorated pot or vessel, which appears to be the center of a ritual. The woman, dressed in a green sari, is holding the pot. One man on the left is reaching out towards it. The setting seems to be an indoor event, possibly a community gathering or a formal opening ceremony.

ਪਕਾਬਦ ਦਾਤਾਂ ਪੁਨਰਿਵਾਸ਼ੀ ਦੇ ਨਾਲ  
ਮਿਲ ਕੇ ਸ਼ਾਹਾਤਾਵਦ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀਆਂ  
ਸਮੇਤ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਲੈ ਕੇ ਨਾਲਾਤਾਵਦ  
ਸਿਪਾਹ ਕਟਾਏ ਹੋਏ ਹਨ। ਇਸ ਨਾਵੀ  
ਬੀਤ ਸ਼ਾਲ ਦੀ ਭਾਗ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਕਥਾਸ  
ਦੀ ਬਸ਼ਨ ਵਿਚ ਖਾਲੀਆਜਾ ਜਾ  
ਹੁਣ ਰਡਾ ਪਕੇ, ਇਸ ਨਾਵੀ  
ਯਾਦਿਕਾਵਾਈ ਨੇ ਇਸ ਕੌਲ ਦਾ ਕਿਸਾਨ  
ਮੈਂਦੇ ਹੋਏ ਪਹਿਲੇ ਹੀ ਬਿਕਿਆਨਿਕਾ  
ਦੀ ਟੋਹ ਲਾਡਿਤ ਕਰ ਦਿੱਤੇ ਸੀ ਜੇ  
ਨਾਲਾਤਾਵਦ ਸ਼੍ਰੀਪਤ ਖੇਤਰਾਂ ਦੇ ਕਿਸਾਨਾਂ  
ਨੂੰ ਸਾਡਾਕ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ। ਇਥੋਂ ਕਾਨੂੰ 'ਤੇ  
ਇਸ ਦੇ ਸਥੀ ਨਿਲਕਾਣੀ ਕੀਪ ਯਾਕੰਡੀਜ਼  
ਕੀਤੇ ਜਾ ਰਹੇ ਹਨ ਤੇ ਖੇਤੀ ਵਿਕਾਸ ਦੇ  
ਨਾਲ ਮਿਲ ਕੇ ਪੁਨਰਿਵਾਸ਼ੀ ਦੇ  
ਬਿਕਿਆਨਿਕ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਕਥਾਸ  
ਦੀ ਬੀਤ ਥੈਥੇ ਸ਼ੋਭਾਬਾਦ ਦੇ ਪ੍ਰਤੀ ਜਾਲਾਕ  
ਕਰ ਕੇ ਹਨ ਤੁਹਾਨਾਵਦ ਵਿਚ ਬੀ  
ਕਥਾਸ ਦਾ ਚੰਗਾ ਉਤਪਾਦਨ ਹੁਸਾਨ  
ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕੇ।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक पृष्ठ संख्या

कॉलम

सत्यजय टार्फस

29.07.2021 --

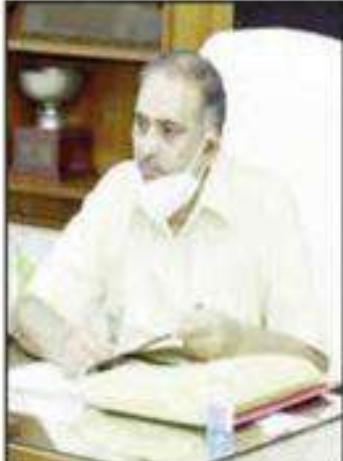
--

# अंधाधुंध कीटनाशकों को प्रयोग नुकसानदायक : बी.आर. काम्बोज

हिसार, 28 जुलाई, सत्यजय टार्फस/बनमोहन शर्मा। वैज्ञानिकों को वर्तमान समय की कीट समस्याओं के ध्यान में रखकर ही अनुसंधान कर्य करने चाहिए। साथ ही ऐसे प्रबोधन उआओं की खोज पर भी बल दिव जाना चाहिए जो कीटों की तोकथम भी करे तब मनुष्य के स्वास्थ्य व व्याकुलरण के लिए भी सुरक्षित हो। वे विचार चौथी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलसभि प्रोफेसर ही, अर, काम्बोज ने कहे।

वे कृषि महाविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग के वार्षिक तकनीकी कार्यक्रम में वैज्ञानिकों से अहंस्ताइन माध्यम से संबल होते हुए उन्हें भविष्य के लिए दिशा-निकेत देखे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बदलते जलवायु परिवर्तन में फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती है।

किसान जागरूकता के अधाव में विना वैज्ञानिक सलाह के फसलों में अंधाधुंध कीटनाशकों व सुखनों का विक्रित



छिड़बाज़ कर रहे हैं जो बहुत ही नुकसानदायक समित हो गया है।

इससे न केवल पर्यावरण पर तुलशाय पड़ रहे हैं वर्तिक फसलों पर भी विसर्पित असर पड़ रहे हैं और किसान वो आर्थिक क्षति उठाने पड़ती है।

इसलिए वैज्ञानिकों को इन सब पहलुओं को ध्यान में रखकर अपने शोध कर्य को आगे बढ़ाना चाहिए। समय-समय विश्वविद्यालय द्वारा विकसित वो जाने

पर किसानों के लिए जारी की जाए सलाह उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों मौजूद परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ज्यादा से ज्यादा किसान समूह बनाकर किसानों को जागरूक करे और वैज्ञानिक सलाह अनुसार फसलों पर कीटनाशकों व अन्य सामानों के प्रयोग के लिए जानकारी मुहूर्ता करवाएं। इसके लिए समय-समय पर किसान सलाह भी जारी की जाने चाहिए। सब ही अपने शोध कारों को इस प्रकार में आगे बढ़ाएं कि किसानों को कीटों की गमत्या में किजाति मिल सके और पर्यावरण पर भी उसका कोई तुलशाय न थो।

प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसानों द्वारा वर्षायाम में फसल में दिए जाने वाले सामानों व तक्रारों का अगली फसल में बढ़ने वाले प्रभावों व फसल प्रणाली के अनुसार अनुसंधान किए जाना चाहिए। कृषि विज्ञान केंद्र व अनुसंधान केंद्र विकास का आइना होते हैं।

इसलिए वे किसानों को किसानों को

वाले उन्नत किसानों व तकनीकों के बारे में ज्ञान से ज्ञान अवकाश कराएं ताकि अधिकारिक किसान फसल ले सकें। वैज्ञानिक किसानों को मधुमधुले पालन के प्रति जागरूक करे और उन्हें मधुमधुले पालन द्वारा फसलों की फैदावार में होने वाली वृद्धि से अवगत कराएं।

सब ही विभाग द्वारा किसानों की सहायता के लिए उसने तकनीकी विज्ञान तालिका करवाएं। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के.सहायता ने इस खेत में हो रहे अनुसंधान कारों की चर्चा की।

कीट विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योशी कुमार ने लिखे वर्ष के अनुसंधान कारों की प्रति रिपोर्ट एवं आगामी वर्ष में किए जाने वाले अनुसंधान कारों की प्रस्तुत किया।

कर्कितम में विभिन्न विभागों के निदेशक व विभागाध्यक्ष खड़ी वैज्ञानिक मौजूद हो जिन्होंने शोध के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए भविष्य के लिए बहुमूल्य मुद्दाव दिए।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	29.7.21	४	१-५

### बदलते जलवायु परिप्रेक्ष्य में फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती : प्रो. काम्बोज

#### कीटों के उचित प्रबंधन के साथ पर्यावरण हितेषी अनुसंधान पर हो अधिक फोकस

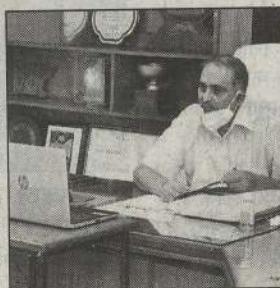
हिसार, 28 जुलाई (राजकुमार) : वैज्ञानिकों को वर्तमान समय की कीट समस्याओं को ध्यान में रखकर ही अनुसंधान कार्य करने चाहिए। साथ ही ऐसे प्रबंधन उपयोग की खोज पर भी बल दिया जाना चाहिए जो कीटों की रोकथाम भी करें तथा मुख्य के स्वास्थ्य व वातावरण के लिए भी सुरक्षित हों। ये विचार चौथी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर वी.आर. काम्बोज ने कहे। वे कृषि महाविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग के वार्षिक तकनीकी कार्यक्रम में वैज्ञानिकों से ऑनलाइन माध्यम से रुबरु होते हुए उन्हें भविष्य के लिए दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बदलते जलवायु परिप्रेक्ष्य में फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती है। किसान जागरूकता के अभाव में

बिना वैज्ञानिक सलाह के फसलों में अंधाधुंध कीटनाशकों व रसायनों का अधिकाधिक छिड़काव कर रहे हैं जो बहुत ही नुकसानदायक साबित हो रहा है।

उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों मौजूदा

परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ज्यादा किसान समूह बनाकर किसानों को जागरूक करें और वैज्ञानिक सलाह अनुसंधान कीटों को इस प्रकार से आगे बढ़ाएं कि किसानों को कीटों की समस्या से निजात मिल सके और पर्यावरण पर भी उसका कोई दुष्प्रभाव न हो। प्रोफेसर वी.आर. काम्बोज ने

कहा कि किसानों द्वारा वर्तमान में फसल में दिए जाने वाले रसायनों व उर्वाकों का आगली फसल में पड़ने वाले प्रभावों व फसल प्रणाली के अनुसार अनुसंधान किया जाना चाहिए। कृषि विज्ञान केंद्र व अनुसंधान केंद्र विश्वविद्यालय का अइन होते हैं।



अन्य रसायनों के वैज्ञानिकों से ऑनलाइन माध्यम से प्रयोग के लिए रुबरु होते हुए विश्वविद्यालय के जानकारी मुहैया कुलपति प्रोफेसर वी.आर. काम्बोज। इसके लिए समय-समय पर किसान सलाह इसलिए वे किसानों को विश्वविद्यालय भी जारी की जानी चाहिए। साथ ही द्वारा विकसित की जाने वाली उत्त

किस्मों व तकनीकों के बारे में ज्यादा

से ज्यादा अवगत कराएं ताकि

अधिकाधिक किसान फायदा ले सकें। वैज्ञानिक किसानों को

मधुमक्खी पालन के प्रति जागरूक

करें और उन्हें मधुमक्खी पालन द्वारा

फसलों की पैदावार में होने वाली वृद्धि

से अवगत कराएं। अनुसंधान

निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने इस

क्षेत्र में हो रहे अनुसंधान कार्यों की

चर्चा की। कीट विज्ञान विभाग के

विभागाध्यक्ष डॉ. योगेश कुमार ने

पिछले वर्ष के अनुसंधान कार्यों की

प्रगति रिपोर्ट एवं आगामी वर्ष में किए

जाने वाले अनुसंधान कार्यों को

प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विभिन्न

विभागों के निदेशक व विभागाध्यक्ष

सहित वैज्ञानिक मौजूद रहे जिन्होंने

शोध के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा

करते हुए भविष्य के लिए बहुमूल्य

सुझाव दिए।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

सम्मुखार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
५११२, माइक्रो	२९.७.२१	, २	६७

### एचएयू के वीसी ने ऑनलाइन दिए सुझाव फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती

भास्कर न्यूज़ हिसार

एचएयू के वीसी प्रोफेसर जी.आर. काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिकों को वर्तमान समय की कीट समस्याएं ध्यान में रखकर अनुसंधान कार्य करने चाहिए। ऐसे प्रबंधन उपायों की खोज पर बल दिया जाना चाहिए, जो कीटों की रोकथाम भी करें और मनुष्य के स्वास्थ्य व वातावरण के लिए भी सुरक्षित हों। वह कृषि महाविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग और काम्बोज के वार्षिक तकनीकी कार्यक्रम में वैज्ञानिकों से ऑनलाइन माध्यम से रुबरू होते हुए उन्हें भविष्य के लिए दिशा-निर्देश दे रहे थे।

वीसी ने कहा कि वर्तमान में बदलते जलवायु परिषेक्ष्य में फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती है। किसान जागरूकता के अभाव में बिना वैज्ञानिक सलाह के फसलों में अंधाधूंध कीटनाशकों व रसायनों का मिश्रित छिड़काव कर रहे हैं जोकि बहुत नुकसानदायक साबित हो रहा है। इससे न केवल पर्यावरण पर दुष्प्रभाव पड़ रहे हैं बल्कि फसलों पर विपरीत असर पड़ रहा है और किसान को आर्थिक क्षति उठानी पड़ती है। इसलिए वैज्ञानिकों को इन सब पहलुओं को ध्यान में रखकर अपने शोध कार्य को आगे बढ़ाना चाहिए। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने इस क्षेत्र में हो रहे अनुसंधान कार्यों की चर्चा की। कीट विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेश कुमार ने पिछले वर्ष के अनुसंधान कार्यों की प्रगति रिपोर्ट एवं आगामी वर्ष में किए जाने वाले अनुसंधान कार्यों को प्रस्तुत किया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभ्युजाला	२१.७.२१	५	४

### फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का हमला वैज्ञानिकों के लिए चुनौती

हिसार। वैज्ञानिकों को वर्तमान समय की कीट समस्याओं को ध्यान में रखकर ही अनुसंधान कार्य करने चाहिए। साथ ही ऐसे प्रबंधन उपायों की खोज पर बल दिया जाना चाहिए, जो कीटों की रोकथाम भी करे और मनुष्य के स्वास्थ्य व वातावरण के लिए भी सुरक्षित हो। आज फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती बना है। यह कहना है चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार (एचएयू) के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज का।

वह बुधवार को कृषि महाविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग के वार्षिक तकनीकी कार्यक्रम में वैज्ञानिकों से ऑनलाइन माध्यम से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बदलते जलवायु परिप्रेक्ष्य में फसलों पर कीटों की नई प्रजातियों का आक्रमण वैज्ञानिकों के लिए चुनौती है।

किसान जागरूकता के अभाव में बिना वैज्ञानिक सलाह के फसलों में अंधाधुंध कीटनाशकों व रसायनों का मिश्रित छिड़काव कर रहे हैं जो बहुत ही नुकसानदायक सवित हो रहा है।

इससे न केवल पर्यावरण पर दुष्प्रभाव पड़ रहे हैं बल्कि फसलों पर विपरीत असर पड़ रहा है। इसलिए वैज्ञानिकों को इन सब पहलुओं का ध्यान में रखकर अपने शोध कार्य को आगे बढ़ाना चाहिए। धूरे



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

संभाषण पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	२१.७.२१	२	४

### एचएयू में व्यावसायिक वर्चुअल प्रशिक्षण 2 से

हिसार। एचएयू के साथना नेहवाल  
कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण  
संस्थान की ओर से मशरूम उत्पादन  
तकनीक विषय पर तीन दिवसीय  
वर्चुअल प्रशिक्षण कार्यक्रम का  
आयोजन 2 अगस्त से शुरू होगा।